

हिंदुस्तानी संगीत - तबला में स्नातक (बी ०ए०)

षष्ठम सेमेस्टर कोर इलेक्टिव का पाठ्यक्रम

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की तबला विधा (पाठ्यक्रमानुसार) का प्रगत अध्ययन कराना है।

क्र० सं०	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रगत अध्ययन - तबला	BAMT(N)-350	50	2
प्रथम खण्ड	इकाई 1 - तीनताल का विस्तृत अध्ययन(उठान, विभिन्न घरानों एवं जातियों के कायदे, पलटे, गतों के प्रकार, विभिन्न प्रकार के टुकड़े, परन एवं चक्करदार के प्रकार)			
	इकाई 2 - एकताल का विस्तृत अध्ययन (उठान, विभिन्न घरानों एवं जातियों के कायदे, पलटे, गतों के प्रकार, विभिन्न प्रकार के टुकड़े, परन एवं चक्करदार के प्रकार)			
	इकाई 3 - विभिन्न गायन शैलियों में तालों का प्रयोग			
	इकाई 4 - तीनताल एवं एकताल के ठेके को आड़, कुआड़, बिआड़ लयकारी में लिपिबद्ध करना			
	इकाई 5 - अपनी विधा से सम्बंधित संगीत वाद्य का पूर्ण ज्ञान (संरचना, रख- रखाव, वाद्य मिलाने की विधि, प्रस्तुतिकरण में प्रयोग)।			
	इकाई 6- संगीत का मानव जीवन में महत्व (सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रभावना आदि पहलुओं पर आधारित)।			
2	प्रदर्शन एवं मौखिक परीक्षा II	BAMT(N)-350	50	2
द्वितीय खण्ड	इकाई 7- तीनताल में एकल वादन - उठान/मुखड़ा , एक पेशकार (चार पलटों व तिहाई सहित), दो कायदे विभिन्न जातियों/ घरानों के (चार पलटों व तिहाई सहित), एक रेला(चार पलटों व तिहाई सहित), दो गत, दो टुकड़े, एक चक्करदार, एक परन, दो तिहाई।			
	इकाई 8- एकताल में एकल वादन - उठान/मुखड़ा , एक पेशकार (चार पलटों व तिहाई सहित), दो कायदे विभिन्न जातियों/ घरानों के (चार पलटों व तिहाई सहित), एक रेला(चार पलटों व तिहाई सहित), दो गत, दो टुकड़े, एक चक्करदार, एक परन, दो तिहाई।			
	इकाई 9 - तीनताल के ठेके को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 10 - एकताल के ठेके को दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 11- गायन के साथ संगत का ज्ञान			
	इकाई 12- स्वरवाद्य के साथ संगत का ज्ञान			
	इकाई 13- तबला मिलाने का ज्ञान			
	इकाई 14-पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
ताल - तीनताल एवं एकताल				